राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
उत्तर प्रदेश

की

1987-88 की आख्या

-54-
370.780
UTT-R

शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश
(भारत)
1988

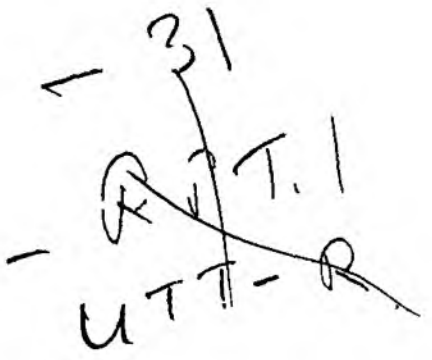
T. 1

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
उत्तर प्रदेश

की

1987-88 की आख्या

शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश
(भारत)
1988

-542
370.7806
UTT-R

Sub. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B,Sri Aurbindo Marg,New Delhi-110016
DOC. No.....
Date.....

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय	पृष्ठ-संख्या
1	पृष्ठभूमि और गठन	1
2	प्रशिक्षण कार्यक्रम	5
3	अनुसंधान, अध्ययन और परियोजनायें	8
4	शैक्षिक कार्यशालायें और गोष्ठियां	14
5	महत्वपूर्ण प्रकाशन	19

प्रस्तावना

प्रदेश द्वारा भारत सरकार की नीति एवं सुझाव के अनुसार सितम्बर, 1981 में राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की स्थापना की गई है। परिषद् की स्थापना शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। परिषद् द्वारा अपनी दस इकाइयों के माध्यम से राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर की शैक्षिक समस्याओं का निराकरण कर नया स्वरूप प्रदान करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के परिप्रेक्ष्य में शैक्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम को समुन्नत करने तथा उसे वर्तमान परिस्थितियों के अनुकूल बनाने हेतु प्रयत्नशील है। परिषद् प्रदेश के आधारभूत शैक्षिक उन्नयन हेतु अपने लक्षित बहुआयामी विभिन्न कार्यकलापों, संकल्पनाओं द्वारा सतत् क्रियाशील है। इन पर आधारित विभिन्न क्रियाकलापों का उपयोगी तथा व्यावहारिक प्रकाशन भी कराया जा रहा है।

परिषद् की इन बहुमुखी उपलब्धियों से शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े शैक्षिक प्रशासकों, प्रधानों तथा शिक्षकों आदि को उपयोगी दिशा ज्ञान कराने के उद्देश्य से 1987–88 की इस वार्षिक आख्या का प्रकाशन किया जा रहा है।

आशा है कि यह प्रतिवेदन शैक्षिक समुन्नयन की व्यावहारिक पृष्ठभूमि पर उपयोगी होगा।

डा0 लक्ष्मी प्रसाद पाण्डेय,
निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और
प्रशिक्षण परिषद्, उत्तर प्रदेश।

अध्याय—1

पृष्ठभूमि और गठन

शैक्षिक शोध, सेवारत अध्यापक प्रशिक्षण, शैक्षिक प्रशासकों का सेवारत प्रशिक्षण, प्रारम्भिक स्तर के विद्यालयों एवं अध्यापक प्रशिक्षण के पाठ्यक्रमों के पुनरीक्षण व पाठ्य पुस्तकों के निर्माण, उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के पाठ्यक्रमों के निर्माण में प्राविधिक सहायता तथा प्रदेश की विशिष्ट शैक्षिक संस्थानों की सुविधाओं के महत्तम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिये राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का गठन वर्ष 1981 में किया गया है। इसके अध्यक्ष शिक्षा मंत्री जी तथा निदेशक पदेन सचिव हैं।

परिषद् का गठन—

(1)	शिक्षा मन्त्री	अध्यक्ष
(2)	शिक्षा सचिव	उपाध्यक्ष
(3)	वित्त सचिव या उनके प्रतिनिधि	सदस्य
(4)	राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् दिल्ली के प्रतिनिधि।	सदस्य
(5)	राष्ट्रीय योजना एवं प्रशासन, संस्थान, दिल्ली के प्रतिनिधि।	सदस्य
(6)	शिक्षा निदेशक	सदस्य
(7)	श्री श्रीनिवास शर्मा, सेवानिवृत्त, शिक्षा निदेशक, उ० प्र०, सी—46, निरालानगर, लखनऊ। ..	सदस्य
(8)	डा० श्रीमती हेमलता स्वरूप, भू०पू० कुलपति कानपुर विश्वविद्यालय 111/98ए वाटर वर्क्स कालोनी, अशोकनगर, कानपुर।	सदस्य
(9)	निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, ...	सदस्य-सचिव

2—कार्य क्षेत्र—

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के कार्य में निम्नलिखित की संकल्पना की गई है:—

(क) शिक्षा में स्वयं अनुसंधान करना, अनुसंधानों का समन्वय करना तथा उनको प्रोत्साहित करना।

(ख) सेवा-पूर्व और सेवारत, मुख्यतः उच्च स्तरीय, प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

(ग) ऐसी संस्थाओं को परामर्श सेवा प्रदान करना जो शैक्षिक अनुसंधान प्रशिक्षण में विद्यालयों के विस्तार सेवा में कार्यरत हों।

(घ) उन्नत शैक्षिक विधियों और कार्यक्रमों से विद्यालयों तथा प्रशासकों को अवगत कराना।

(च) अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिये राज्य के शिक्षा विभाग, विश्वविद्यालय तथा अन्य शैक्षिक संस्थाओं के साथ कार्य करना अथवा उन्हें सहायता देना।

(छ) विद्यालय स्तरीय शिक्षा संबंधी उन्नत विचारों तथा सूचनाओं का एकत्रीकरण और प्रसारण।

(ज) राज्य प्रशासन को तथा अन्य संगठनों की विद्यालय स्तरीय शिक्षा के स्तरोन्नयन के संबंध में परामर्श देना।

(झ) अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिये आवश्यक पुस्तकों, सामग्री, पत्रिकाओं तथा अन्य साहित्य का निर्माण तथा प्रकाशन।

(ट) ऐसे सभी कृत्यों का करना, जो परिषद् अपने प्रमुख उद्देश्यों के लिये आवश्यक/अनिवार्य समझे। अनुसंधान को बढ़ावा देना, शैक्षिक कार्यकर्ताओं का उच्चस्तरीय व्यवसायिक प्रशिक्षण और विद्यालयों में विस्तार सेवा की सुविधा देना है।

(ठ) राज्य सरकार द्वारा संदर्भित शैक्षिक, अनुसंधान तथा प्रशिक्षण संबंधी अन्य कार्य सम्पादित करना।

3—संबद्ध संस्थान—

परिषद् के निम्नलिखित विभाग संबंधित संस्थाओं/कार्यालयों के माध्यम से परिषद् के निदेशक, जो इनके विभागाध्यक्ष भी हैं, के सीधे नियंत्रण में कार्य करते हैं:—

(1)	प्रारम्भिक शिक्षा विभाग	(1) राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद। (2) अनौपचारिक शिक्षा एकक।
(2)	भारतीय भाषा विभाग	राज्य हिन्दी संस्थान, उ० प्र०, वाराणसी।
(3)	विदेशी भाषा विभाग	आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, इलाहाबाद।

(4)	मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग	.. ..	राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद।
(5)	विज्ञान और गणित विभाग	.. .. ..	राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0 प्र0, इलाहाबाद
(6)	दृश्य-श्रव्य और शिक्षा प्रसार विभाग	.. ..	शिक्षा प्रसार कार्यालय, इलाहाबाद।
(7)	मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग	.. ..	मनोविज्ञानशाला, इलाहाबाद।
(8)	शैक्षिक तकनीकी विभाग	.. .. ..	शैक्षिक तकनीकी संस्थान, लखनऊ।
(9)	प्रकाशन विभाग	.. .. ..	पाठ्य पुस्तक अनुभाग, लखनऊ।

(1) प्रारम्भिक शिक्षा विभाग–राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद––

(1) प्रारम्भिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक एवं संख्यात्मक उन्नयन के लिये प्रदेश में राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के एक अंग के रूप में कार्य कर रहा है। इस संस्थान में मुख्य, प्राविधिक एवं अनौपचारिक शिक्षा तथा जनसंख्या शिक्षा इकाइयों के साथ पत्राचार अनुभाग भी है। संस्थान अपने सभी कार्य पांच रूपों में (क) शोध (ख) यूनीसेफ से सहायता प्राप्त कार्यक्रम (ग) प्रशिक्षण (घ) प्रकाशन तथा (ङ) प्रसार, सम्पादित करता है।

2––भारतीय भाषा विभाग–राज्य हिन्दी संस्थान, उ0 प्र0, वाराणसी।

हिन्दी भाषा और साहित्य के शिक्षण को अधिकाधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से संस्थान में हिन्दी के अध्यापक प्राध्यापिकाओं को सेवाकालीन प्रशिक्षण, संगोष्ठियों व कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है तथा हिन्दी भाषा और उसके व्यकरण से सम्बन्धित कार्य पर विशेष बल दिया जाता है। पाठ्य पुस्तकों के संशोधन, रचना आदि के अतिरिक्त इस संस्थान की प्रकाशन योजना के अन्तर्गत "वाणी" त्रैमासिक पत्रिका व लघु-पुस्तिकाओं का प्रकाशन विविध-साहित्यिक-विषयों पर निबंध-लेखन तथा शोध कार्य की ओर संस्थान के अधिकारी एवं प्रवक्ता संलग्न हैं। समय-समय पर संस्थान में विचार-गोष्ठियों व काव्य-गोष्ठियों का आयोजन भी होता रहता है।

3––विदेशी भाषा विभाग–आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, इलाहाबाद––

आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान की स्थापना ब्रिटेन स्थित न्यू फील्ड फाउन्डेशन तथा नई दिल्ली स्थित ब्रिटिश कांउन्सिल की सहायता से प्रदेश में अंग्रेजी पठन तथा शिक्षण के स्तर में उन्नति साधन हेतु की गई थी। अतएव प्रारम्भ में ही इस संस्थान का मुख्य कार्य सेवा कालीन शिक्षक प्रशिक्षण/पाठ्यक्रम तथा पाठ्य सामग्री की रचना, अनुगमन कार्यक्रम तथा शोध परियोजनाओं का संचालन, सम्पादन करना है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् एवं केन्द्रीय अंग्रेजी तथा विदेशी भाषा संस्थान के विभिन्न कार्यक्रम तथा योजनायें, जिनका सम्बन्ध अंग्रेजी पठन-पाठन से होता है, प्रदेशीय स्तर पर उत्तर प्रदेश के लिये इसी संस्थान द्वारा संचालित तथा कार्यान्वित होते हैं। इनके अतिरिक्त संस्थान के विशेषज्ञों की सेवायें परामर्शदाता के रूप में प्रदेश तथा प्रदेश के बाहर की विभिन्न संस्थाओं में भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

4––मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग,–राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद––

यह संस्थान एल0टी0 (सामान्य) का पूर्व सेवा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करता है, साथ ही उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिये सतत् शिक्षा एवं पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण का कार्यक्रम चलाता है तथा हाईस्कूल स्तर के छात्रों के लिये उपचारात्मक शिक्षा की व्यवस्था करता है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के तत्वावधान में शैक्षिक मूल्यों के महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित किये जाते रहते हैं। यह संस्थान विभाग, माध्यमिक शिक्षा परिषद्, एन0सी0ई0आर0टी0 तथा विभिन्न संस्थानों/संस्थाओं द्वारा शैक्षिक संदर्भों पर मांगे गये मत, समीक्षा तथा आख्या प्रेषण का कार्य करते हुए समस्त शैक्षिक इकाइयों, प्रतिष्ठानों, संस्थानों/संस्थाओं से शैक्षिक परामर्श, सहयोग का कार्य भी करता है। इनके अतिरिक्त शोध कार्य, परियोजना संचालन एवं गोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन संस्थान के कार्यलाप के महत्वपूर्ण अंग हैं।

5––विज्ञान तथा गणित विभाग,–राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उ0 प्र0, इलाहाबाद––

प्रदेश की विद्यालयी शिक्षा को समयानुरूप वैज्ञानिक और तकनीकी स्वरूप प्रदान करने तथा विज्ञान एवं गणित विषयों की शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने हेतु भारत सरकार के पूर्ण वित्तीय सहयोग से वर्ष 1965 में राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान की स्थापना की गई थी। इलाहाबाद स्थित इस संस्थान का प्रमुख कार्य विद्यालय स्तर पर विज्ञान शिक्षा के विकास एवं तत्सम्बन्धित अनुसंधान, प्रशिक्षण प्रकाशन एवं प्रसार हैं। इन शीर्षकों के अन्तर्गत यह संस्थान नए पाठ्यक्रमों का निर्माण, पाठ्य–पुस्तक लेखन, विज्ञान शिक्षण हतु दृश्य–श्रव्य सामग्रियों का निर्माण, विज्ञान अध्यापकों की दक्षता बढ़ाने के लिये सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन तथा प्रदेश में विज्ञान शिक्षा के उन्नयन हेतु विभिन्न कार्यक्रमों जैसे शोध अध्ययन, विज्ञान प्रदर्शनियों, विद्यार्थी विज्ञान संगोष्ठी आदि का आयोजन करता है।

6––दृश्य–श्रव्य और शिक्षा प्रसार विभाग–शिक्षा प्रसार विभाग, इलाहाबाद––

शिक्षा प्रसार विभाग, समाज शिक्षा एवं दृश्य-श्रव्य शिक्षा के क्षेत्र में निरन्तर प्रभावी कार्यक्रमों का सम्पादन कर रहा है। समाज शिक्षा के लिये नूतन प्रयोगों, युक्तियों एवं उत्प्रेरक क्रियाओं के माध्यम से कार्यक्रमों का सफल सम्पादन करते हुए गुणात्मक उपलब्धि प्राप्त करने की दिशा में यह प्रयत्नरत है। समाज के सभी वय वर्गों के लिये शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए प्रयोगात्मक रूप में प्रौढ़ों को शिक्षित करने का अभियान यह संचालित कर रहा है। इस विभाग द्वारा संचालित राजकीय ग्रामीण पुस्तकालयों के माध्यम से प्रसार के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में नवसाक्षरों, अल्पसाक्षरों एवं शिक्षण वर्ग के लोगों के लिये साहित्य उपलब्ध कराकर शैक्षिक

योग प्रदान किया जाता है। दृश्य-श्रव्य शिक्षा क्षेत्र में दृश्य-श्रव्य तकनीकी से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करने लिये विभाग में प्रादेशिक दृश्य श्रव्य शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र की व्यवस्था सुलभ है। साथ ही शैक्षिक उपयोगिता के चलचित्रों के निर्माण क लिय व्यवस्थित चलचित्र उत्पादन इकाई भी विभाग से सम्बद्ध है। चलचित्र उत्पादन इकाई द्वारा चलचित्र निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया विभाग में ही पूर्ण की जाती है जिसके लिये सम्पूर्ण व्यवस्था एवं संयंत्र सुलभ है। इस उत्पादन इकाई द्वारा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक उपलब्धि प्राप्त करने एवं शैक्षिक स्तरोन्नयन के लिये 35 मि0मी0 तथा 16 मि0मी0 के चलचित्रों के निर्माण का कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। औपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत माध्यमिक विद्यालयों और राजकीय दीक्षा विद्यालयों के शिक्षकों और शिक्षिकाओं को श्रव्य दृश्य सामग्रियों के निर्माण एवं शिक्षण में उनके उपयोग का प्रशिक्षण विभाग से सम्बद्ध प्रादेशिक दृश्य-श्रव्य शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा दिया जाता है।

7--मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग--मनोविज्ञान शाला, इलाहाबाद--

इलाहाबाद में स्थापित मनोविज्ञानशाला, उ0प्र0 राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की इकाई के रूप में मनोविज्ञान के क्षेत्र में एक विशिष्ट एवं महत्वपूर्ण संस्था है। इसका मुख्य कार्य विशेषतया माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं तथा अन्य बच्चों व वयस्कों की निशुल्क शैक्षिक, व्यवसायिक, वैयक्तिक निर्देशन, परामर्श, व्यक्तिगत और सामूहिक आधार पर, प्रदान करना है। मनोवैज्ञानिक सेवायें उत्तर प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों के लिये तीन स्तरों पर प्रदान की जाती हैं (प्रदेशीय, मंडलीय तथा विद्यालय स्तर पर)। प्रदेश स्तर पर मनोविज्ञानशाला, विद्यालयी एवं मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों के कार्य में समन्वय स्थापित करती है। इसके निर्देशन में प्रयुक्त मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के निर्माण, अनुशीलन तथा मानकीकरण के साथ-साथ तत्सम्बन्धित शोध कार्य भी होता है।

8--शैक्षिक तकनीकी विभाग--राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान, लखनऊ--

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण एवं उसके प्रचार और प्रत्येक स्तर पर गुणात्मक सुधार लाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में वर्ष 1976-77 में शैक्षिक तकनीकी कोष्ठ की स्थापना की थी। मार्च 1984 में इन्सेट 1-बी के प्रादुर्भाव क फलस्वरूप प्रदेश के तीन जिलों--गोरखपुर, आजमगढ़ एवं बस्ती में टेलीविजन द्वारा प्राथमिक विद्यालयों क बालक/बालिकाओं को शिक्षा प्रदान करने के लिये भारत सरकार की शत् प्रतिशत सहायता से शैक्षिक टेलीविजन कार्यक्रम उत्पादन केन्द्र की स्थापना की गई है। दोनों इकाइयों का सम्मिलित रूप राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान है। सम्प्रति राज्य शैक्षिक-तकनीकी संस्थान, उत्तर प्रदेश एक ओर राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् उत्तर प्रदेश की इकाई के रूप में तथा दूसरी ओर केन्द्रीय शैक्षिक प्रोद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली की प्रादेशिक इकाई के रूप में कार्यरत है।

9--परिषद् का प्रकाशन विभाग--पाठ्य पुस्तक अनुभाग, लखनऊ--

परिषद् का प्रकाशन विभाग, शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रचलित कक्षा 1 से 8 तक की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों के मुद्रण, प्रकाशन तथा वितरण की व्यवस्था करता है। कक्षा 1-8 की राष्ट्रीयकृत तथा अनौपचारिक शिक्षा की पाठ्य-पुस्तकों का मुद्रण, उनकी गुणवत्ता बनाये रखना और समय से उचित मूल्यों पर छात्रों को सुलभ कराना ही प्रकाशन अनुभाग का मूल प्रयोजन है।

4--परिषद् में कार्यरत कर्मचारियों के वेतन क्रमानुसार पदों का विवरण निम्नवत् है:--

क्रम-संख्या	वेतन-क्रम	पद संख्या
1	2	3
1	2750-3000	1
2	1660-2300	4
3	1360-2125	4
4	1250-2050	20
5	850-1720	66
6	770-1600	39
	690-1420	22
	650-1280	56
	625-1360	2
	625-1240	42
	570-1100	28
	540-910	12
	515-860	21
	470-735	44
	450-720	19
	430-685	41
	405-540	1
	400-750 (पुराना)	1
	400-620	15
	400-615	15

1	2	3
21	354–550 ..	59
22	330–495 ..	40
23	330–425 ..	7
24	325–570 (पुराना) ..	1
25	315–440 ..	11
26	305–390 ..	150
27	280–460 (पुराना) ..	2
28	230–385 (पुराना) ..	1
	योग ..	724

अध्याय–2

प्रशिक्षण कार्यक्रम

परिषद् की विभिन्न इकाइयां शिक्षा विकास, स्तरोन्नयन तथा शिक्षा विषयक, विविध समस्याओं के निदान एवं सुझावों के क्रियान्वयन हेतु वर्ष पर्यन्त विविध विषयक अल्प व दीर्घकालिक सेवापूर्व–सेवाकालीन, सतत् शिक्षा, पुनर्बोधात्मक, अनौपचारिक प्रबन्धकीय, प्रशासकीय, तकनीकी एवं अकादमिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदेश की शिक्षा से जुड़े सभी स्तरीय प्रशासकों, कार्यकर्त्ताओं, विशेषज्ञों तथा शिक्षकों के लिये आयोजित करती रहती है। परिषद् के अन्तर्गत विभिन्न इकाइयों में प्रमुखतः पुनर्शिक्षण (सेवारत) के अन्तर्गत ऐसे कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं और भविष्य में लिये जायेंगे, जिनका राज्य के स्कूल स्तर की शैक्षिक समस्याओं और शिक्षा विकास तथा स्तरोन्नयन से प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। प्रशिक्षण के अन्तर्गत वर्ष 1987–88 के कार्यक्रमों का विवरण, निम्नलिखित है:––

सेवा पूर्व प्रशिक्षण––

(क) मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग (राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विज्ञान संस्थान), इलाहाबाद सेवा पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिवर्ष एल0टी0 (सामान्य) स्नातकोत्तर शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण कार्य सम्पादित करता है। इस संस्थान में प्रतिवर्ष 80 छात्राध्यापकों को प्रवेश दिया जाता है। इन प्रशिक्षणार्थियों को माइक्रोटीचिंग द्वारा विविध शिक्षण कौशलों का अभ्यास 40 कक्षा शिक्षण के माध्यम से कराया जाता है। प्रशिक्षणार्थियों को "शिक्षा के दार्शनिक" समाज शास्त्रीय एवं शिक्षा मनोवैज्ञानिक आधार का ज्ञान देकर, शिक्षा सांख्यिकी विद्यालय संगठन तथा स्वास्थ्य एवं जन संख्या शिक्षा का बोध कराया जाता है। इसके साथ ही उपचारी शिक्षा निर्देशन व परामर्श, शैक्षिक मूल्यांकन तथा सांख्यिकी, क्रियात्मक अनुसंधान तथा शैक्षिक प्रबन्ध एवं शैक्षिक तकनीकी में विशेष दक्षता प्रदान करायी जाती है।

(ख) मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग (मनोविज्ञानशाला), इलाहाबाद द्वारा डिप्लोमा इन "गाइडेन्स साइकालोजी" विषयक एक सत्र (10 माह) की अवधि का प्रशिक्षण कार्य सम्पादित किया जा रहा है। इस स्नातकोत्तर डिप्लोमा का प्रमुख उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशन मनोविज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष में निष्णात बनाने के साथ-साथ उन्हें उक्त क्षेत्र से सम्बन्धित उपकरणों एवं परीक्षणों के व्यवहारिक उपयोग और प्रशासन में दक्ष बनाना है। इस पाठ्यक्रम की प्रवेश क्षमता 15 है।

सेवाकालीन प्रशिक्षण––

(क) मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग (राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विज्ञान संस्थान), इलाहाबाद।

1––माध्यमिक स्तरीय शिक्षकों के लिए नवीन पाठ्यक्रमों, मूल्यांकन तथा नवीन परिवर्तनों, आयामों तथा शैक्षिक स्तरोन्नयन के लिए शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं से अवगत कराने के लिए सतत शिक्षा एवं पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण के कार्यक्रम चलाये जाते हैं जो 10मास तक जुलाई से चलाया जाता है।

2––लोक सेवा आयोग से सीधे चुन कर आने वाले शिक्षा अधिकारियों (बेसिक शिक्षा अधिकारी) को एल0टी0 (सामान्य) पाठ्यक्रम तथा विभिन्न प्रकार के विभागीय नियमों एवं अधिनियमों का प्रशिक्षण दिया जाता है।

3––प्रोन्नति से नियुक्त होने वाले राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को शैक्षिक प्रबन्ध तथा प्रशासन में दक्ष बनाने के लिये प्रतिवर्ष उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाती है। जिसमें प्रत्येक फेरे में 30–30 प्रधानाचार्यों को प्रशिक्षित किया जाता है।

(ख) प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (राज्य शिक्षा संस्थान), इलाहाबाद।

1––प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, (राज्य शिक्षा संस्थान), इलाहाबाद द्वारा प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत अप्रशिक्षित अध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जाती है। प्रदेश के अप्रशिक्षित उर्दू अध्यापकों को प्रशिक्षण देने की कार्यवाही की गई है। पूर्व लिखित पाठों का संशोधन एवं पुनर्वोधन किया गया। वर्तमान समय में इनके मुद्रण की कार्यवाही की जा रही है।

2––प्रदेश के क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के प्राथमिक तथा जूनियर स्तर के विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं को सन्दर्भ व्यक्ति पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण दिया गया तथा प्रदेश स्तर पर संदर्भ अध्यापक/अध्यापिकाओं को नैतिक शिक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। जिसके लिए नैतिक शिक्षा पाठ्य सामग्री तथा शिक्षक सन्दर्शिका तैयार की गई।

3––संस्थान द्वारा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के अध्यापक/अध्यापिकाओं को हिन्दी, सामाजिक विषय, परिवेशीय अध्ययन एवं नैतिक शिक्षा विषयों के मूल्यांकन के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। दीक्षा विद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों को उक्त विषयों पें पुनर्बोधित किया गया।

4––प्रदेश के राजकीय दीक्षा विद्यालय, जूनियर हाई स्कूल एवं प्राथमिक स्तर के अध्यापकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया।

5--निरीक्षण अधिकारियों को शैक्षिक, प्रशासनिक तथा पर्यवेक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सन्दर्भ में प्रशिक्षित किया गया। इस अभिनवीकरण में उप विद्यालय निरीक्षक एवं विद्यालय उप निरीक्षिकाओं को भी प्रशिक्षित किया गया।

6--बी0टी0सी0 के द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से सम्बन्धित समस्त प्रकार के सम्बोधों का समावेश किया गया जिससे भविष्य में अध्यापकों को नव सम्बोधन की सम्यक् जानकारी हो सके। पाठ्यक्रम में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम सम्बन्धी बिन्दुओं को भी समाहित किया गया है।

7--राजकीय दीक्षा विद्यालयों के शिक्षक प्रशिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के साथ स्काउटिंग, आसन, योग एवं समाजोपयोगी उत्पादक कार्य से सम्बन्धित प्रयोगात्मक प्रशिक्षण दिया गया।

8--पर्यावरण के प्रति चेतना एवं उसके अनुरक्षण, पुनर्वास एवं विकास हेतु पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया जिसके अन्तर्गत क्षेत्रीय विशिष्टाधारित पाठ्यक्रम एवं पाठ्य सामग्री का विकास किया गया।

9--प्रदेश के प्रारम्भिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/प्रधानाध्यापिकाओं को विकास खण्ड स्तर पर जनसंख्या शिक्षा के सम्बोधों से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

10--प्रदेश में माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को जनसंख्या शिक्षा में प्रशिक्षण देने हेतु "स्कूल बेस्ड" प्रशिक्षण दिया गया। उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रवक्ताओं तथा राजकीय दीक्षा विद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों को जनसंख्या शिक्षा से सम्बन्धित प्रशिक्षण दिया गया।

11--सातवीं पंचवर्षीय योजना में जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम को अधिक महत्व देते हुए उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं तथा अनौपचारिक शिक्षा एवं दीक्षा विद्यालयों के शिक्षक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में प्रशिक्षण को गति देने का प्रयास किया गया।

(ग) विदेशी भाषा विभाग (आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान), इलाहाबाद।

1--**आंग्ल भाषा शिक्षण डिप्लोमा**--इसका उद्देश्य जूनियर हाई स्कूल तथा हाई स्कूल कक्षाओं को अंग्रेजी पढ़ाने वाले अध्यापकों को संदर्भ व्यक्ति (रिसोर्स पर्सनल) के रूप में प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उनकी अंग्रेजी शिक्षण कुशलता में सम्यक् उन्नयन करना है।

2--पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण द्वारा जूनियर हाई स्कूल तथा हाई स्कूल स्तरीय अंग्रेजी अध्यापकों का पुनर्बोधन अध्यापन सम्बन्धी कठिनाइयों का निराकरण तथा कक्षा शिक्षण की मूल परिस्थितियों में उनका तत्कालिक एवं प्रभावी उपयोग है।

3--अनुगमन गोष्ठियों का मूल उद्देश्य जूनियर हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट स्तर पर कक्षा शिक्षण की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना तथा शिक्षकों की अनेक समस्याओं का निराकरण तथा अंग्रेजी भाषा शिक्षण के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार करना है।

4--क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के माध्यम से गैर सरकारी विद्यालयों के अंग्रेजी अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु विस्तृत व्यवस्था करना तथा समस्त अध्यापकों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए संदर्भ व्यक्तियों (रिसोर्स पर्सनल) को प्रशिक्षण प्रदान करना।

5--उप विद्यालय निरीक्षक, उप बालिका विद्यालय निरीक्षिका, प्रति उप विद्यालय निरीक्षक/निरीक्षिकाओं के माध्यम से जूनियर हाई स्कूल के अंग्रेजी अध्यापकों को उचित दिशा निर्देश प्रदान करने के उद्देश्य से लघु प्रशिक्षण प्रदान करना।

(घ) विज्ञान तथा गणित विभाग (राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान), इलाहाबाद।

1--जूनियर हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों हेतु पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण के अन्तर्गत अध्यापकों को विज्ञान किट तथा पर्यावरणीय सामग्रियों को उपयोग द्वारा विज्ञान शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है तथा अध्यापक प्रतिभागियों को विज्ञान शिक्षण के अत्याधुनिक नवीन तकनीकों से अवगत कराया जाता है।

2--हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान-2, जीव विज्ञान एवं गणित-2 के अध्यापकों हेतु पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले अध्यापकों की विषयगत कठिनाइयों का निवारण कठिन सम्बोधों के सम्प्रेषण विधियों पर विचार विमर्श नवीन शिक्षण तकनीकों को अवगत कराने एवं प्रश्न-पत्र निर्माण करने की अत्याधुनिक विधा विशेषतया सपुस्तक परीक्षा प्रणाली पर आधारित प्रश्न-पत्रों के निर्माण सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

3--राजकीय दीक्षा विद्यालयों के विज्ञान अध्यापकों का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस प्रशिक्षण में भी वैज्ञानिक विषयों के नवीनतम शिक्षण तकनीकों से प्रतिभागियों को लाभान्वित किया जाता है।

(ङ) मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग (मनोविज्ञानशाला), इलाहाबाद।

1—उत्तर प्रदेश के मनोविज्ञान तथा शिक्षा शास्त्र के अध्यापकों/अध्यापिकाओं को मनोविज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम सिद्धांतों, संकल्पनाओं एवं शोध परिणामों से अवगत कराने तथा निर्देश एवं परामर्श का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तीन सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

2—उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित शिक्षा अधिकारियों को मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग के क्रिया-कलापों की जानकारी कराना एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से परिचित कराना।

3—समय-समय पर मण्डलीय मनोवैज्ञानिक, विद्यालय मनोवैज्ञानिक तथा स्कूल मनोवैज्ञानिक तथा काउन्सलर को पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण प्रदान करना।

(च) दृश्य श्रृव्य और शिक्षा प्रसार विभाग (शिक्षा प्रसार कार्यालय), इलाहाबाद

दृश्य–श्रृव्य और शिक्षा प्रसार, विभाग इलाहाबाद से सम्बद्ध प्रादेशिक दृश्य श्रृव्य प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रदेश के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, राजकीय दीक्षा विद्यालयों एवं प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षकों/शिक्षिकाओं को प्रक्षेपित उपादानों के निर्माण एवं प्रक्षेपी उपकरणों के संचालन एवं अनुरक्षण के प्रशिक्षण का क्रियात्मक ज्ञान दिया जाता है, जिससे वे उनका निर्माण कर शिक्षण में उसका उपयोग कर सकें, जिससे विषय वस्तु के गुणात्मक एवं ज्ञानात्मक उपलब्धि का नियोजक हो सकेगा ।

अध्याय–3

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनायें

1––शैक्षिक अनुसंधान आधारिक, नीति-परक और व्यावहारिक होते हैं। अतः शिक्षा की विभिन्न योजनाओं, समस्याओं और कार्यक्षमताओं के उन्नयन में सहायता करने के उद्देश्य से ही इस परिषद् द्वारा व्यवहारपरक और - नीतिपरक अनुसंधान और अध्ययन किये जा रहे हैं। अनुसंधानों का विधिवत् और वैज्ञानिक ढंग के साथ निर्देशन किया जाता है। निकट भविष्य में परिषद् की इकाइयों के अधिकारियों को अनुसंधान की वैज्ञानिक विधियों में प्रशिक्षण कराया जायगा जिससे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम की दक्षता का स्तर संतोषजनक हो।

2––विभिन्न इकाइयों द्वारा वर्ष 1987–88 में सम्पादित किये जाने वाले अध्ययनों तथा परियोजनाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नवत् दिया जा रहा है:––

1––प्रारम्भिक शिक्षा विभाग––राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

शोध–कार्य––

1––प्रदेश स्तर पर "प्रारम्भिक स्तरीय शिक्षक-प्रशिक्षण के सर्वेक्षण" से सम्बन्धित प्रपत्र का विकास किया गया तथा उपलब्ध सूचनाओं का सम्पादन एवं विश्लेषण किया जा रहा है।

2––"प्राथमिक स्तरीय गणित में भाषा का प्रभावी शिक्षण" का अभिनव प्रयोग राजकीय आदर्श शोध विद्यालय में किया गया।

3––प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के प्रति उत्तर प्रदेश के प्राथमिक स्तर के अध्यापकों की, अपने बढ़े हुए दायित्वों के प्रति अभिवृत्ति का मूल्यांकन किया गया।

4––प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में कक्षा 1–3 तक के पाठ्यक्रम में स्थानीय आदिम बोलियों और राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रयोग द्वारा द्विभाषा प्रयोग पर अनुसंधान किया जा रहा है।

5––राजकीय आदर्श शोध विद्यालय में देर से आने वाले छात्रों की सामाजिक एवं व्यक्तिगत समस्याओं के अध्ययन पर शोध कार्य किया गया।

6––ह्रास एवं अवरोध निवारण परियोजनान्तर्गत प्रदेश में शिक्षा के सार्वजनीकरण को प्रभावी एवं व्यापक बनाने के लिए ह्रास एवं अवरोध निवारण परियोजना को कार्यान्वित किया गया है। परियोजना विस्तार हेतु समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को आवश्यक प्रपत्र एवं दिशा निर्देश भेज दिये गये हैं तथा प्राप्त प्रपत्रों के आधार पर विश्लेषण कार्य किया जा रहा है।

7––अभिस्वीकृत विद्यालय परियोजना के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर की शिक्षा में गुणात्मक उन्नयन हेतु अभिस्वीकृत विद्यालय परियोजना सम्पूर्ण प्रदेश में क्रियान्वित की गयी है। उद्देश्य की पूर्ति हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को प्रपत्र एवं आवश्यक निर्देश भेजे गये हैं। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर विश्लेषण कार्य किया जा रहा है।

8––राजकीय आदर्श शोध विद्यालय में कक्षा–5 के विद्यार्थियों के भाषा विषयक अशुद्ध उच्चारण को शुद्ध करने हेतु क्रियात्मक शोध कार्य किया गया।

9––प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण में पूर्व प्राथमिक शिक्षा की भूमिका के अध्ययन हेतु इलाहाबाद जनपद के चायल ब्लाक के पूर्व प्राथमिक शिक्षा केन्द्रों के आधार पर कार्य किया जा रहा है।

10––शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक विषय के अध्ययन संबंधी उपलब्धियों 1990 के अन्तर्गत परीक्षण और मूल्यांकन संबंधी कार्य चल रहा है।

11––नैतिक मूल्यों की पुनः स्थापना विषयक शोध के अन्तर्गत कार्य किया जा रहा है।

12––प्राइमरी स्तरीय छात्रों में सुलेख के प्रति उदासीनता का अध्ययन कार्य चल रहा है।

13––प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम (केप) की पाठ्य सामग्री का परीक्षण किया जा रहा है।

14––दीक्षा विद्यालयों में समाजपयोगी उत्पादक कार्य के स्वरूप का अध्ययन संबंधी कार्य चल रहा है।

यूनीसेफ सहायता प्राप्त परियोजनाएं

1--पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा एवं पर्यावरणीय स्वच्छता:

इस परियोजना के अन्तर्गत बच्चों एवं अभिभावकों के उत्तम स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु पोषण की आवश्यकता समझाने, बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन का चयन, भोजन की तैयारी एवं संरक्षण संबंधी ज्ञान देने तथा पर्यावरणीय स्वच्छता सम्बन्धी प्रवृत्तियों के विकास का उद्देश्य है।

परियोजना के कार्यान्वयन हेतु इलाहाबाद जनपद के कौड़िहार एवं चायल विकास खण्डों के प्राथमिक विद्यालयों का चयन किया गया है जिनमें अधिकतर परिगणित जाति तथा पिछड़ी जाति के लोग हैं। एक सर्वेक्षण द्वारा इस क्षेत्र के लोगों की पोषण, स्वास्थ्य तथा स्वच्छता सम्बन्धी आदतों की जानकारी की गई। परियोजना की सफलता के लिए सभी विद्यालयों के शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

क्षेत्र में समुदाय सम्पर्क कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के लिए शैक्षिक सामग्री निर्मित की गई। इस सामग्री के प्रयोग हेतु चुने गये 25 विद्यालयों के समस्त अध्यापकों को अभिनवीकृत किया गया। कौड़िहार तथा चायल दोनों ही विकास खण्डों में बैठकें आयोजित की गईं। मूल्यांकन प्रपत्र वितरित किये गये तथा सूचनाओं के एकत्रीकरण का कार्य किया गया। शैक्षिक सामग्री एवं संशोधन एवं परिवर्धन हेतु प्रश्नावलियों का विकास किया गया जिनके आधार पर प्रयोग तथा परीक्षण किये गये। दीक्षा विद्यालयों के शिक्षक-प्रशिक्षकों की पाठ्यचर्या एवं समग्र मूल्यांकन की विश्लेषणात्मक आख्या के लेखन हेतु तीन कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

पोषण, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण सम्बन्धी आदतों के विकास का आकलन करने के उद्देश्य से दोनों ही विकास खण्डों के 30 परियोजनागत तथा 10 परियोजनेतर विद्यालयों का चयन किया गया जिनमें परीक्षण प्रपत्रों के माध्यम से बालकों का परीक्षण किया गया। साथ ही एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा विकसित सारणीयन प्रपत्रों पर उत्तर पुस्तिकाओं के अंकों का सारणीयन कार्य भी किया गया। दोनों ही विकास खण्डों का नियमित निरीक्षण किया जाता है तथा परियोजना से सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा विद्यालय का वीक्षण भी किया जाता है। उक्त योजना से सम्बन्धित सम्बोधों को प्राथमिक स्तरीय पाठ्यचर्या में समाहित करने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा 30 सप्ताह के कार्यक्रम से सम्बन्धित एक शिक्षण संदर्शिका मुद्रित कराकर प्रदेश के समस्त प्राथमिक विद्यालयों में वितरित की गई है। बच्चों के शारीरिक विकास के मापन तथा निर्जलीकरण का ज्ञान देने हेतु दो किटों का विकास, मुद्रण एवं वितरण किया गया साथ ही पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता सम्बन्धी खेलों का विकास, मुद्रण एवं वितरण किया गया। समुदाय सम्पर्क कार्यक्रम को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चित्र, पोस्टर, चार्ट, कलैण्डर आदि शैक्षणिक सामग्री का विकास मुद्रण एवं वितरण किया गया।

पाठ्यक्रम नवीनीकरण परियोजना (परियोजना संख्या 2)

प्राथमिक शिक्षा पाठ्यक्रम नवीनीकरण की परियोजना प्रदेश के 15 जनपदों के 150 प्राथमिक विद्यालयों में वर्ष 1976 से 1986 तक चलाई गई। इसके अन्तर्गत कक्षा 1--5 तक का पाठ्यक्रम विकसित कर उस पर आधारित कक्षा 1--5 तक की शिक्षण सामग्री (पाठ्य पुस्तकें एवं शिक्षक संदर्शिकाएं) विद्यालयों को छात्रों के प्रयोग एवं परीक्षण हेतु भेजी गयी थीं। वर्षबद्ध कार्यक्रम के अनुसार इन पुस्तकों का परीक्षण एवं मूल्यांकन कर उनमें आवश्यक संशोधन भी किये गये। कक्षा 1--5 तक की इन पाठ्य पुस्तकों को प्रदेश में राष्ट्रीयकृत पुस्तक के रूप में लागू करने हेतु बेसिक शिक्षा परिषद्, उ0 प्र0 द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

सामुदायिक शिक्षा एवं सहभागिता में विकासात्मक क्रियाकलाप (परियोजना संख्या 3)

यह परियोजना राज्य के पांच जनपदों के एक-एक चयनित सामुदायिक शिक्षा केन्द्र के माध्यम से संचालित की गई। समुदाय के इन सभी लोगों की न्यूनतम शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से की जाती है। सम्प्रति यूनीसेफ की वित्तीय सहायता वर्ष 1986 से बन्द की जा चुकी है तो भी इन केन्द्रों द्वारा स्थानीय सहयोग से कतिपय कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

पूर्व प्राथमिक शिक्षा (परियोजना संख्या 4--बी)

इस परियोजना का उद्देश्य शिशुओं को रचनात्मक खेलों एवं विकासात्मक क्रियाओं द्वारा प्राथमिक स्तरीय शिक्षा के लिए तैयार करना है। यह परियोजना इलाहाबाद जनपद के चायल तथा मूरतगंज विकास खण्डों में कार्यान्वित की गई है। परियोजनान्तर्गत नर्सरी प्रशिक्षित बी0टी0सी0 अध्यापिकाओं की नियुक्ति की गई है। शिशु शिक्षण के इस कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से चलाने के लिए शिक्षिकाओं को दो--मासीय सघन प्रशिक्षण दिया गया है।

इस सत्र में निम्नलिखित कार्य किये गये--

1--कठपुतली प्रदर्शन के लिए आलेख तैयार करने हेतु दस दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गयी।

2--आंगनबाड़ी प्रशिक्षकों के लिए सन्दर्भ मैनुअल बनाने हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें पाठों का विकास किया गया।

3--कठपुतली निर्माण हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कठपुतली प्रदर्शन पर आधारित आलेखों तथा अन्य सहायक सामग्री का निर्माण किया गया।

4--सन्दर्भित विद्यालयों के कक्षा-1 को पढ़ाने वाले शिक्षक/शिक्षिकाओं को दो फेरों में 15 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया जिसमें 65 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

5--राज्य शिक्षा संस्थान (राज0) उदयपुर के सहयोग से कक्षा-1 के शिक्षण हेतु खेल एवं क्रिया विधि से सम्बन्धित हस्त पुस्तिका तैयार की गई।

6--सत्र में पांच समुदाय शिविर आयोजित किये गये तथा शिक्षकों एवं निरीक्षण अधिकारियों की बैठकें आयोजित की गई।

प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम (केप परियोजना संख्या-5)

इस परियोजना का लक्ष्य 9-14 वय वर्ग के उन बच्चों को शिक्षा प्रदान करना है जो किन्हीं कारणों से बीच में ही विद्यालय छोड़ देते हैं और जिन्होंने विद्यालय में प्रवेश ही नहीं लिया है। वर्ष 1978 से यह परियोजना प्रदेश में संचालित है।

परियोजनान्तर्गत अभी तक निम्नलिखित कार्य किये गये--

1--एन. सी. टी. ई. प्रलेख के आधार पर बी. टी. सी. पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया।

2--प्रदेश के राजकीय दीक्षा विद्यालयों के प्रधानों, शिक्षक, प्रशिक्षकों, समन्वयकों ग्राम सेवक, ग्राम सेविकाएं एवं ब्लाक स्तरीय तथा जिला स्तरीय शिक्षा अधिकारियों को परियोजना की संकल्पना तथा स्वअधिगम सामग्री निर्माण की प्रविधि में प्रशिक्षित किया गया।

3--67 माड्यूल तथा 436 कैप्स्यूल का विकास किया गया।

4--परामर्शदात्री समिति द्वारा अनुमोदित 37 माड्यूल तथा 213 कैप्स्यूल में अधिगम सामग्री का मुद्रण कराया गया।

5--प्रदेश के 128 राजकीय दीक्षा विद्यालयों तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के साथ-साथ एक प्राथमिक स्तरीय केन्द्र संलग्न किया गया।

6--प्राथमिक स्तरीय पाठ्यक्रम का विकास किया गया।

7--134 अधिगम केन्द्र सहायकों तथा दीक्षा विद्यालयों के 98 प्रयोग एवं 128 केप प्रभारियों को केन्द्रों के संचालन के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

8--128 अधिगम केन्द्र सहायकों तथा 128 दीक्षा विद्यालय के प्रधानों एवं 128 केप प्रभारियों को केन्द्रों के संचालन के संबंध में पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

9--दीक्षा विद्यालय से संलग्न कतिपय अधिगम केन्द्रों का वीक्षण कार्य किया गया।

जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम--

नयी पीढ़ी में जनसंख्या की स्थिति के प्रति सामान्य चेतना विकसित करने तथा शिक्षकों को इस दिशा में जागरूक बनाने हेतु जनसंख्या शिक्षा का यह कार्यक्रम कार्यान्वित किया गया। इसका उद्देश्य प्रत्यक्ष रूप से जनमानस में विशेष कर छात्रों में व्यवहारगत परिवर्तन लाना है ताकि मानव जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाया जा सके। उक्त उद्देश्य की पूर्ति हेतु उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं के लिए जनसंख्या शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया तथा पाठ्य पुस्तकों में समायोजन हेतु प्लग प्वाइंटस का निर्धारण किया गया और उन्हीं कक्षाओं के लिए जनसंख्या शिक्षा संबंधी आदर्श पाठ्य सामग्री का विकास किया गया। रेडियो तथा दूरदर्शन के लिए आलेख तैयार किये गये एवं प्रारम्भिक तथा माध्यमिक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण हेतु जनसंख्या शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम विकसित किया गया। यथेष्ट प्रचार हेतु पोस्टर्स तथा कलैण्डर्स मुद्रित तथा वितरित किये गये।

2--भारतीय भाषा विभाग, (राज्य हिन्दी संस्थान,) वाराणसी।

1--राजकीय कार्यालयों में हिन्दी प्रयोग सम्बन्धी समस्याएं।

2--"गद्य-गरिमा" के पाठों में सामाजिक चेतना।

3--गद्य संकलन में प्रकृति प्रत्यय (प्रत्यय, उपसर्ग, संधि, समास) से बने शब्दों का अध्ययन।

4--पूर्व माध्यमिक स्तर की हिन्दी पाठ्य पुस्तकों में राष्ट्रीय चेतना।

5--"काव्यांजलि" में रस-योजना।

6--"काव्य-संकलन" की कविताओं का काव्य-सौन्दर्य।

3--विदेशी भाषा विभाग (आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान), इलाहाबाद।

1-जूनियर हाई स्कूल तथा हाई स्कूल कक्षाओं में अंग्रेजी भाषा शिक्षण की कठिनाइयों एवं सुधार हेत निर्देश।

2-कक्षा 6 एवं 7 के वर्तमान पाठ्यक्रम का पुनर्निरीक्षण तथा बालकों की अभिव्यक्ति के उन्नयन हेतु प्रयास।

3-कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा हेतु प्रश्नावली का निर्माण।

4--मानविकी और सामाजिकविज्ञान विभाग (राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विज्ञान संस्थान) इलाहाबाद।

1--राज्य में गृह परीक्षा में निर्देशित सप्तक परीक्षा के प्राप्त अनुभवों का संकलन एवं समीक्षा (एक अग्रगामी योजना)।

2—सामाजिक विज्ञान (हाई स्कूल कक्षाओं के लिए) के निदान सूचक परीक्षणों की रचना (एक अग्रगामी अध्ययन)।

3—विद्यालय स्तर पर सामाजिक विज्ञान में पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा (एक अग्रगामी अध्ययन)।

4—हाई स्कूल स्तर पर यौन पूर्वाग्रह निराकरण शिक्षा का अनिवार्य-आयाम के संदर्भ में पाठ्यक्रम एवं पाठ्य पुस्तकों का अनुशीलनात्मक अध्ययन।

5—माध्यमिक विद्यालयों में नैतिक शिक्षा के शिक्षण एवं तत्संबंधी अन्य कार्य कलापों की स्थिति का सर्वेक्षण।

5—विज्ञान तथा गणित विभाग (राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान), इलाहाबाद।

प्राथमिक स्तर—

1—जूनियर हाई स्कूल स्तर पर विज्ञान किटों का उपयोग न होना एक अध्ययन कार्यक्रम।

2—प्रारम्भिक स्तरीय विज्ञान एवं गणित पुस्तकों का अध्ययन/संशोधन।

माध्यमिक स्तर—

1—माध्यमिक स्तरीय विज्ञान और गणित पाठ्यक्रमों की विवेचना।

2—राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति के सन्दर्भ में एन0सी0ई0आर0टी0 द्वारा विकसित माध्यमिक एवं प्रारम्भिक स्तरीय विज्ञान पाठ्यक्रम का अध्ययन/अनुकूलन।

3—माध्यमिक शिक्षा परिषद् उ0प्र0 की परीक्षाओं में गणित-1 विषय के परीक्षाफल में गिरावट के कारणों के अन्वेषण।

6—मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग (मनोविज्ञानशाला,) इलाहाबाद।

1—कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर सूचनात्मकता एवं बौद्धिक स्तर सम्बन्धी अध्ययन।

2—रोशा व्यक्तित्व परीक्षण के प्रति उत्तर प्रदेश के सामान्य बालक/बालिकाओं की अनुक्रियाओं का अध्ययन।

3—अध्यापक सदृश गुण (टी0एल0क्यू0) अभिरुचि परीक्षण संबंधी शोध अध्ययन।

4—भारतीय संस्कृति के अनुरूप सामान्य व्यक्तित्व परीक्षण का निर्माण।

5—प्रौढ़/बुद्धि परीक्षण (शाब्दिक) की निर्देशिका का निर्माण।

6—आवासीय-विद्यालय चयन परीक्षण (1987) हेतु प्रश्न बैंक का निर्माण।

7—राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के प्रशिक्षणों में प्रयुक्त सामान्य मानसिक योग्यता परीक्षण (जी0एम0ए0टी0) के लिए प्रश्न बैंक का निर्माण।

7—शैक्षिक तकनीकी विभाग—राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान, लखनऊ।

संस्थान के वर्ष 1987-88 के कार्यक्रमों के अन्तर्गत निम्नलिखित शैक्षिक फिल्मों का निर्माण किया गया:—

वर्ष 1987—88 में निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के फिल्मों की सूची:—

क्रम-संख्या	कार्यक्रम का नाम
1	मित्रता का मूल्य
2	क्यों और कैसे?
3	कुछ वैज्ञानिक प्रयोग
4	अर्द्ध कुम्भ
5	सन्तोष का मीठा फल
6	स्वास्थ्य सबके लिए भाग—1
7	मछली घर
8	अंधेर नगरी चौपट राजा
9	हवा का उछाल बल भाग—1
10	बूझो तो जानें भाग—2
11	बूझो तो जानें भाग—3
12	बूझो तो जानें भाग—4
13	बूझो तो जानें भाग—5
14	बूझो तो जानें भाग—6
15	विज्ञान जत्था—एक परिचय

क्रम-संख्या	कार्यक्रम का नाम
16	एकलव्य
17	समूह गान (6-फिलर)
18	पांच में से तीन गये? (क्रम) भाग-1,
19	भाग-2
20	क्यों और कैसे? (विज्ञान प्रयोग)
21	हवा का जादू भाग-2
22	खामोशी की जुबान
23	दूध एक पौष्टिक आहार
24	पुतली में राम
25	राजस्थान के नृत्य
26	उत्तराखंड के लोकनृत्य
27	कुछ कथक नृत्य
28	अंकों पर आधारित "दिमागी कसरत"
29	गिनती सीखें
30	रेखा
31	ऊर्जा के रूप
32	मेढ़क का फैसला
33	अनोखी हार
34	आवाज का जन्म
35	सिकन्दर पोरस
36	समुद्रगुप्त
37	सम्राट अशोक
38	पेड़ पौधे और हम (यह धरती कहती है)
39	पहचानों और जानो
40	गुलदस्ते के फूल
41	दो और दो चार भाग--1
42	दिशा बोध
43	यातायात के साधन भाग-1
44	उत्तलोक
45	बूझो तो जानें भाग-1
46	नटवरी नृत्य
47	एक डाल के पंक्षी
48	फोक आर्ट एण्ड क्राफ्ट श्रृंखला मिट्टी से खिलौने बनाना
49	कागज से उपयोगी वस्तुएं बनाना
50	आओ सीखें काम की चीजें
51	संतोष का मीठा फल
52	यह धरती कहती है
53	राष्ट्रीय एकता पर आधारित चार गीत
54	कर्मवीर दधीच
55	पहचानो और जानो भाग-1
56	पहचानो और जानो भाग-2
57	पांच इन्द्रियां
58	चीनी की कहानी
59	सीमेण्ट की कहानी
60	साबुन की कहानी
61	महाकवि निराला
62	अंकों से चित्र भाग--1
63	इतिहास के पन्ने (काकोरी के शहीद) भाग-1
64	इतिहास के पन्ने काकोरी के शहीद भाग-2
65	मधुमक्खी की कहानी
66	मुक्तांचल केन्द्र

क्रम-संख्या	कार्यक्रम का नाम
67	क्रिया प्रतिक्रिया
68	खेल खेल में
69	यह धरती कहती है भाग–2
70	राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी
71	पैसों का पेड़
72	लोमड़ी का न्याय
73	मछुआ और काना बैल
74	बूझो तो जानें भाग–7 वे भाग–8
75	क्यों और कैसे भाग–1 व भाग–2
76	आओ सीखें काम की चीजें भाग–3 व भाग–4
77	हवा का उछालबल–भाग–2

अध्याय–4

शैक्षिक कार्यशाला और गोष्ठियां

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के तत्वावधान में सम्बद्ध विभिन्न संस्थानों द्वारा अपने क्षेत्रान्तर्गत शैक्षिक विषयों और समस्याओं पर समय-समय पर विशेषज्ञों, शिक्षकों, शिक्षाविदों, विभागीय अधिकारियों तथा सन्दर्भित व्यक्तियों के सहयोग से गोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के अन्तर्गत विभिन्न उपयोगी विषयों पर गोष्ठियां और कार्यशालाएं वर्ष 1987–88 में आयोजित की गईं। इनके विवरण निम्नवत् हैं:—

क्रम-संख्या	गोष्ठियां/कार्यशाला	अवधि	प्रतिभागी
1	2	3	4
(1)	**मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान विभाग (राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विभाग संस्थान), इलाहाबाद।**		
1	क्रियात्मक अनुसंधान प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षक/प्रशिक्षकों के लिए	4–1–88 से 11–1–88 तक	30
2	अभिनव प्रयोगों का संचालन एवं संबर्द्धन सम्बन्धी प्रशिक्षण	15–1–88 से 22–1–88 तक	30
3	प्रधानाचार्यों का अकादमिक एवं प्रबंधकीय विकास अभिनवीकरण प्रशिक्षण	3–2–88 से 15–2–88 तक (प्रथम फ़ेरा)	30
		17–2–88 से 29–2–88 तक (द्वितीय फ़ेरा)	30
4	शिक्षा में सांख्यिकी विषयक मापन एवं मूल्यांकन प्रशिक्षण, एल0टी0	.. मार्च 88 के द्वितीय सप्ताह में,	30
(2)	**विदेशी भाषा विभाग–आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान, इलाहाबाद।**		
1	कार्यशाला	7–12–87 से 8–12–87	26
2	गोष्ठी	28–1–88 से 30–1–88	81
(3)	**प्रकाशन विभाग–I (पाठ्य पुस्तक अनुभाग), लखनऊ।**		
1	सामान्य केन्द्रिक के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक विषयक पुस्तक का मूल्यांकन।	7 से 9–12–87	40
2	तदैव	11 तथा 12–2–88	40
(4)	**शैक्षिक तकनीकी विभाग–(राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान), लखनऊ**		
1	राज्य शैक्षिक तकनीकी संस्थान .. उ0प्र0 एवं डेटा साल्व इण्डिया द्वारा आयोजित "कम्प्यूटर" के विविध उपयोग एवं डेटाबेस मैनेजमेन्ट में प्रशिक्षण/कार्यशाला।	.. 20–7–87 से 29–7–87 तक	17
2	कार्यक्रम श्रंखला निर्माण कार्यशाला ..	.. 26–10–87 से 31–10–87 तक	34
3	बाल मनोविज्ञान पर व्याख्यान संबंधी कार्यशाला ..	2–1–1988 से 9–1–1988 तक	23
4	शैक्षिक दूरदर्शन एवं शैक्षिक रेडियो के उपयोग के परिप्रेक्ष्य में मण्डलीय गोष्ठी (झांसी मण्डल)	18–2–1988 से 20–2–1988 तक	249
5	शैक्षिक दूरदर्शन एवं शैक्षिक रेडियो के उपयोग से संबंधित गोष्ठी नैनीताल मण्डल नैनीताल।	मार्च 1988 में प्रस्तावित	
6	फ़ाइन आर्ट्स एप्रीसियेशन कार्यशाला ..	मार्च 1988 में प्रस्तावित।	
7	वित्तीय नियमों की जानकारी	मार्च 1988 में प्रस्तावित।	

1	2	3	4
(5)	**मनोविज्ञान और निर्देशन विभाग (मनोविज्ञानशाला, उ० प्र०), इलाहाबाद--**		
1	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के मानसिक योग्यता परीक्षण पद निर्माताओं की कार्यशाला।	चार दिवसीय (5 जनवरी से 8 जनवरी, 1988)	70
2	निर्देशन की प्रक्रिया और उपकरण विचार गोष्ठी ..	छः दिवसीय .. (25 जनवरी से 30 जनवरी, 1988)	80
3	राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (राज्यस्तरीय) परीक्षा में सफल छात्रों के प्रशिक्षण हेतु विशेषज्ञों का प्रशिक्षण कार्यक्रम ..	तीन दिवसीय (दो फेरे) 18-20-फ़रवरी, 1988 25-27 फ़रवरी, 1988	130
4	अध्यापन अभिरुचि परीक्षण निर्माण कार्यशाला ..	पांच दिवसीय मार्च, 88 का द्वितीय सप्ताह ..	35
(6)	**विज्ञान तथा गणित विभाग (राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान) इलाहाबाद--**		
1	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	20-7-87 29-7-87 ..	8
2	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	18-8-87 28-8-87	7
3	जू० हा० स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	31-8-87 4-9-87	28
4	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	7-9-87 16-9-87 ..	30
5	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का विशेष वस्तु कठिनाइयों का निवारण सम्बन्धी कार्यशाला।	7-9-87 12-9-87 ..	8
6	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	14-9-87 19-9-87 ..	11
7	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	21-9-87 30-9-87 ..	15
8	प्रति उप विद्यालय निरीक्षक एवं सहायक बालिका विद्यालय निरीक्षिकाओं का प्रशिक्षण।	19-10-87 21-10-87 ..	11
9	हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान अध्यापकों का पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण। ..	5-10-87 14-10-87 ..	11
10	प्रति उप विद्यालय निरीक्षकों एवं सहायक बालिका विद्यालय निरीक्षिकाओं का प्रशिक्षण।	21-1-88 23-1-88 ..	2
11	दीक्षा विद्यालय एवं क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के अध्यापकों का प्रशिक्षण। ..	27-1-88 30-1-88 ..	30
12	पाठ्यक्रम नवीनीकरण कार्यशाला	9-2-88 12-2-88 ..	32
(7)	**प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (राज्य शिक्षा संस्थान) इलाहाबाद --**		
1	छात्र मूल्यांकन हेतु चुने गये 30 विद्यालयों के कक्षा 1 और 2 को पढ़ाने वाले अध्यापिकाओं का अभिनवीकरण।	5-3-87 से 7-3-87 तक ..	94
2	छात्र मूल्यांकन हेतु चुने गये 30 विद्यालयों के कक्षा 3, 4 और 5 को पढ़ाने वाले अध्यापक/अध्यापिकाओं का अभिनवीकरण।	9-3-87 से 11-3-87 तक ..	126
3	छात्र मूल्यांकन हेतु चुने गये 30 विद्यालयों के प्रधान अध्यापक/अध्यापिकाओं का अभिनवीकरण। ..	26-3-87 से 28-3-87 तक ..	30
4	1 और 2 की पाठ्य पुस्तकों और शिक्षक संदर्शिकाओं का मूल्यांकन हेतु कार्यशाला। ..	18-5-87 से 22-5-87 तक ..	38

1	2	3	4
5	3, 4 और 5 की पाठ्यपुस्तकों और शिक्षक संदर्शिकाओं का मूल्यांकन हेतु कार्यशाला। ..	23–5–87 से 27–5–87 तक ..	45
6	1 और 2 की पुस्तकों के मूल्यांकन से सम्बन्धित सूचनाओं के संकलन हेतु कार्यशाला। ..	27–7–87 से 1–8–87 तक ..	27
7	3, 4 और 5 की पुस्तकों के मूल्यांकन से सम्बन्धित सूचनाओं के संकलन हेतु कार्यशाला। ..	24–8–87 से 29–8–87 तक ..	36
8	1 से 5 की पुस्तकों के मूल्यांकन विन्दुओं पर आधारित संकलित सूचनाओं का विश्लेषण और आख्या लेखन।	14–9–87 से 19–9–87 तक ..	29
9	मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाओं का कोडिक के अनुसार सारणीयन हेतु अभिनवीकरण गोष्ठी। ..	10–8–87 से 11–8–87 तक ..	10
10	समुदाय सम्पर्क प्रपत्रों का कोडिक के अनुसार सारणीयन हेतु अभिनवीकरण गोष्ठी। ..	9–11–87 से 10–11–87 तक ..	10
	पूर्व प्राथमिक शिक्षा परियोजना सं0–4 बी		
1	कठपुतली हस्तपुस्तिका विकास कार्यशाला	24–3–87 से 2–4–87 तक ..	27
2	समेकित बाल विकास योजना के लिए संदर्भ मैनुअल हेतु कार्यशाला। ..	1–5–87 से 10–5–87 तक ..	25
3	पूर्व प्राथमिक शिक्षिकाओं की मासिक गोष्ठी। ..	11–5–87 व ..	33
		12–5–87 ..	32
4	कठपुतली सेट निर्माण हेतु कार्यशाला	25–6–87 से 4–7–87 तक	30
5	कक्षा 1 अध्यापकों का सघन प्रशिक्षण	25–7–87 से 8–8–87 तक	34
6	कक्षा 1 अध्यापकों का सघन प्रशिक्षण ..	29–8–87 से 2–9–87 तक ..	33
7	कक्षा 2 के शिक्षकों के लिए हस्तपुस्तिका विकास कार्यशाला	21–9–87 से 30–9–87 तक ..	22
8	पूर्व प्राथमिक शिक्षिकाओं की मासिक गोष्ठी ..	20–10–87 ..	33
		21–10–87 ..	31
9	पूर्व प्राथमिक शिक्षिकाओं की मासिक गोष्ठी ..	6–11–87 ..	57
10	समुदाय सम्पर्क बैठक (चार)	18, 19, 20, 21–11–87	समुदाय के लोग
11	पूर्व प्राथमिक शिक्षिकाओं की मासिक गोष्ठी। ..	1–2–88 ..	29
		2–2–88 ..	28
	प्रारम्भिक शिक्षा व्यापक उपागम (केप) परियोजना सं0–5		
1	चित्रकारों की कार्यशाला	5–2–87 से 7–2–87 तक ..	6
2	अधिगम सामग्री को अन्तिम रूप देने सम्बन्धी कार्यशाला ..	13–2–87 से ..	10
		20–2–87 तक	7
3	चित्रकारों की कार्यशाला	21–2–87 से 23–2–87 तक ..	7
4	अधिगम केन्द्र संचालन के सम्बन्ध में शिक्षक-प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	27–2–87 से 3–3–87 तक ..	15
5	अधिगम सहायकों का प्रशिक्षण	4–3–78 से 13–3–87 तक ..	13
6	चित्रकारों की कार्यशाला	27–4–87 से 29–4–87 तक ..	9
7	दीक्षा विद्यालयों के केप प्रभारियों का प्रशिक्षण ..	19 मई से 23 मई ..	3
8	कार्यकारी दल गोष्ठी (प्रक्रमण)	4 से 11 जून ..	9
9	कार्यकारी दल गोष्ठी (प्रक्रमण)	22 से 29 जून ..	17
10	केप परिचायिका लेखन सम्बन्धी कार्यशाला	5 से 10 जुलाई ..	14
11	केप प्रभारियों का प्रशिक्षण	16 जुलाई से 18 जुलाई ..	17
12	केप प्रभारियों का प्रशिक्षण	20 से 22 जुलाई ..	28

1	2	3	4
13	केप प्रभारियों का प्रशिक्षण	23 से 25 जुलाई तक ..	26
14	चित्रकारों की कार्यशाला	30–7–87 से 1 अगस्त तक ..	6
15	केप प्रभारियों का प्रशिक्षण	3–8–87 से 5–8–87 तक ..	19
16	अधिगम केन्द्र सहायकों का प्रशिक्षण	10–8–87 से 14–8–87 तक ..	10
17	अधिगम केन्द्र सहायकों का प्रशिक्षण	17–8–87 से 21–8–87 तक ..	27
18	अधिगम केन्द्र सहायकों का प्रशिक्षण	24–8–87 से 28–8–87 तक ..	26
19	अधिगम केन्द्र सहायकों का प्रशिक्षण	31–8–87 से 14–9–87 तक ..	18
20	चित्रकारों की कार्यशाला	7–9–87 से 9–9–87 तक ..	7
21	केप प्रभारियों का प्रशिक्षण	10–9–87 से 12–9–87 तक ..	18
22	पाठ्यक्रम (1–5) को अन्तिम रूप देने सम्बन्धी कार्यशाला ..	14–9–87 से 19–9–87 तक ..	14
23	वर्किंग ग्रुप मीटिंग (प्रक्रमण)	24–9–87 से 30–9–87 तक ..	11
24	मूल्यांकन प्रश्न निर्माण सम्बन्धी कार्यशाला ..	12–10–87 से 21–10–87 तक ..	14
25	मूल्यांकन प्रश्न निर्माण संबंधी कार्यशाला	27–10–87 से 5–11–87 तक ..	11
26	अधिगम केन्द्र सहायकों का प्रशिक्षण	9–11–87 से 13–11–87 तक ..	17
27	चित्रकारों की कार्यशाला	27–11–87 से 29–11–87 तक ..	8
28	मूल्यांकन प्रश्न निर्माण सम्बन्धी कार्यशाला ..	30–11–87 से 9–12–87 तक ..	17
29	शिक्षाधिकारियों की अभिनवीकरण गोष्ठी	10–12–87 से 11–12–87 तक ..	24
30	,, ,, ...	14–12–87 से 15–12–87 तक ..	38
31	,, ,, ...	16–12–87 से 17–12–87 तक ..	37
32	,, ,, ...	18–12–87 से 19–12–87 तक ..	37
33	,, ,, ...	21–12–87 से 22–12–87 तक ..	36
34	,, ,, ...	23–12–87 से 24–12–87 तक ..	35
35	,, ,, ...	28–12–87 से 29–12–87 तक ..	35
36	मूल्यांकन प्रश्न निर्माण सम्बन्धी कार्यशाला	31–12–87 से 9–1–88 तक ..	17

जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम––

1	प्राइमरी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों/प्रधानाध्यापिकाओं का जनसंख्या शिक्षा संबंधी ब्लाक स्तरीय प्रशिक्षण 111 चक्र, प्रति चक्र तीन दिवसीय।	जनवरी से अक्टूबर 1987 ..	6217
2	शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अभिनवीकरण कार्यक्रमों में प्राइमरी/मिडिल स्कूलों के शिक्षकों का प्रशिक्षण (नार्मल स्कूलों में–10 दिवसीय)	फरवरी/मार्च 1987	12000 प्राइमरी स्तर 12000 मिडिल स्तर
3	माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का जनसंख्या शिक्षा सम्बन्धी "स्कूल बेस्ड" प्रशिक्षण (स्कूलों में–2 दिवसीय) 13 चक्र ..	जुलाई से सितम्बर 1987 ..	520 माध्यमिक स्तरीय
4	रेडियो तथा टी0 वी0 हेतु आलेखों का लेखन। ..	24 से 30–5–87 तक ..	17
5	मण्डलीय जनसंख्या शिक्षा अधिकारियों की बैठक ..	17–3–87	
6	जनसंख्या शिक्षा के "प्लग प्वाइंट्स" के निर्धारण हेतु कार्यशाला	22 से 25–7–87	
7	पापुलेशन प्रोजेक्ट रिव्यू कार्यशाला	26 से 30–10–87	

प्राविधिक इकाई:––कार्यशालाएं/प्रशिक्षण––

1	बेसिक उर्दू रीडर भाग–1 के पुनर्लेखनोपरांत वाचन/लेखन कार्यशाला। ..	14–5–87 से 16–5–87 तक	7

1	2	3	4	
2	उर्दू में अनुदित हमारा इतिहास एवं नागरिक जीवन की पाण्डुलिपि का वाचन।	.. अप्रैल, 87	..	6
3	उर्दू बेसिक रीडर भाग 1 का वाचन एव पुनर्रीक्षण	.. 14–16 मई 1987		7
4	उर्दू बेसिक रीडर भाग 1 का वाचन एवं पुनर्वीक्षण	.. जून 1987		1
5	शिक्षक–प्रशिक्षक अभिनवीकरण	अप्रैल, 87	..	..
6	बी0 टी0 सी0 पाठ्य सामग्री में नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत नवीन सम्बोधों का समावेश	जुलाई 87 के मध्य।	..	5
7	उप विद्यालय निरीक्षक/उप बालिका-विद्यालय निरीक्षिकाओं का अभिनवीकरण एवं शैक्षिक प्रशासन के नवीन आयामों की उपयोगिता परक प्रशिक्षण	जुलाई 87	..	30+10
8	पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण/बी0 टी0 सी0 परीक्षा सम्बन्धी आदर्श प्रश्नपत्रों का निर्माण।	.. 28–30 नवम्बर 1987	..	9
अनौपचारिक शिक्षा—				
1	अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों हेतु मूल्यांकन एवं अनुश्रवण कार्यशाला।	.. 26 से 29–3–87	..	..
2	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के संदर्भ व्यक्तियों की प्रशिक्षण कार्यशाला (प्रथम चक्र)	.. 25 से 27–6–87	..	..
3	,, ,, .. द्वितीय चक्र	.. 2 से 4–7–87 तक	..	..
4	अनुदेशक/अनुदेशिकाओं के प्रशिक्षण हेतु माड्यूल पर विचार-विमर्श।	.. 17 से 21–8–87 तक	..	..
5	नव नियुक्त पर्यवेक्षिकाओं का प्रशिक्षण	9 से 13–11–87	..	18
मासिक विचार गोष्ठी—				
1	जनसंख्या शिक्षा का स्वरूप तथा उसकी शिक्षण विधियां	.. 20–11–87	संस्थान के सभी सदस्य	
2	सामान्य विद्यालयों में विकलांगों की शिक्षा, समस्याएं एवं समाधान।	.. 30–11–87	..	,,
3	शिक्षण प्रक्रिया में शिक्षक की सक्रियता	25–1–88	..	,,
4	"अनौपचारिक शिक्षा कितनी औपचारिक"	19–2–88	..	,,
विविध				
1	क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के प्राचार्यों की बैठक	.. 10–12–87	..	7
2	पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम दो दिवसीय बैठकें (1)	.. 29, 30–4–87		16
3	राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत संदर्भ व्यक्तियों का प्रशिक्षण	14–18–5–87	..	59
4	कौमी एकता सप्ताह का आयोजन	19 से 25–11–87	प्रारम्भिक शिक्षा विभाग तथा विज्ञान शिक्षा विभाग समस्त के सदस्य	
5	पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत पाठ्यक्रम तथा पाठ्य सामग्री के निर्धारण हेतु कार्यशाला।	.. 22 से 27–12–87	..	..
6	.. ..	2 से 7–2–88	..	..
7	राष्ट्रीय पर्यावरणीय चेतना अभियान (प्रशिक्षण) (प्रथम चक्र–5 मण्डल) (द्वितीय चक्र–6 मण्डल)	4 से 6–2–88	..	..
		25 से 27–2–88	..	..
8	अध्यापक अवकाश शिविर	11 से 13–1–88	..	9
9	शिक्षा अधिकारियों की गोष्ठी (प्रोन्नत मण्डलीय शिक्षा अधिकारी (बेसिक) और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी)।	.. 15 तथा 16–1–88	..	28

अध्याय—5

महत्वपूर्ण प्रकाशन

परिषद् की विविध इकाइयां अपने शोधों, अध्ययनों, गोष्ठियों, कार्यशालाओं तथा विभिन्न शैक्षिक परियोजनाओं की उपलब्धियों के सन्दर्भ में तथा प्रदेश की शिक्षा (औपचारिक-अनौपचारिक) विषयक अपेक्षाओं से प्रसंगत विभिन्न समसामयिक शैक्षिक आवश्यकताओं के अनुरूप यथा-साधन साहित्य का प्रकाशन भी कराती रहती है। परिषद् द्वारा प्रकाशित कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विवरण निम्नवत् है:—

प्रारम्भिक शिक्षा के पाठ्यक्रम—

(1) स्वास्थ्य शिक्षा एवं स्वच्छता संदर्शिका
(2) नैतिक शिक्षा संदर्शिका
(3) शिक्षक संदर्शिका-प्राइमरी स्तर
(4) शिक्षक संदर्शिका—मिडिल स्तर
(5) कक्षा 3—8 के विज्ञान एवं गणित के नए पाठ्यक्रम

हिन्दी शिक्षण—

(6) वर्तनी की अशुद्धियां वर्गीकरण एवं सुधार (प्राथमिक स्तर)
(7) वर्तनी की अशुद्धियां वर्गीकरण एवं सुधार (पूर्व माध्यमिक स्तर)
(8) वर्तनी की अशुद्धियां वर्गीकरण एवं सुधार (माध्यमिक स्तर),
(9) राष्ट्रीय एकीकरण और हिन्दी (कविता संग्रह)
(10) हिन्दी गद्य शिक्षण विशेषांक (वाणी पत्रिका)
(11) हिन्दी उच्चारण शिक्षण संदर्शिका
(12) प्राथमिक स्तर पर शब्द—सम्पदा
(13) व्याकरण शिक्षण अंक (वाणी पत्रिका)
(14) हिन्दी साहित्य अंक (,,)
(15) उच्चारण शिक्षण अंक (,,)
(16) माध्यमिक स्तर पर गद्य-शिक्षण विशेषांक (,,)

अंग्रेजी शिक्षण—

(17) जूनियर हाई स्कूल की अंग्रेजी की कक्षाओं में मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का सुदृढ़ीकरण कक्षा 7 हेतु
(18) कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के अंग्रेजी वर्तनी में सुधार के सुझाव।
(19) 6 से 8 तक की कक्षाओं में अंग्रेजी पढ़ाने वाले अध्यापकों को कक्षा में मौखिक कार्य कराने के लिये शिक्षण निर्देश पुस्तिका तथा मास मीडिया पैकेज के निर्माण द्वारा अधिकाधिक सहायता पहुंचाना—भाग—2

विज्ञान शिक्षा—

(20) शिक्षक संदर्शिका—नये दस वर्षीय विज्ञान—1, पाठ्यक्रम के लिये (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान)।
(21) नये दस वर्षीय पाठ्यक्रम के विज्ञान—1 के लिये संदर्शिका—न्यूनतम उपकरण और प्रयोगशाला।
(22) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज—शिक्षक संदर्शिका।

सामाजिक विज्ञान शिक्षा

(23) सामाजिक विज्ञान की संकल्पना और शिक्षा विधि (शिक्षक संदर्शिका)।
(24) निदानात्मक परीक्षण—सामाजिक विषय, (भूगोल, नागरिक शास्त्र इतिहास) जू0 हाई0 स्कूल कक्षा—7
(25) उपचारात्मक शिक्षण—शिक्षक संदर्शिका।

राष्ट्रीय एकीकरण की शिक्षा---

(26) गूंजते स्वर (राष्ट्रीय एकीकरणतः प्रेरक गीत एवं विचार) हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू
(27) राष्ट्रीय एकीकरण और हिन्दी (विशेषांक)।
(28) अन्य भाषायी प्रदेश और हिन्दी (विशेषांक)
(29) हिन्दी की क्षेत्रीय बोलियां (विशेषांक)
(30) अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना की शिक्षा-(शिक्षक संदर्शिका)।
(31) राष्ट्रीय एकता (विशेषांक)
(32) गीतमाला (प्राथमिक कक्षाओं के लाभार्थ)

शिक्षा और मनोविज्ञान---

(33) विद्यार्थियों के मार्ग दर्शन हेतु अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिये कुछ सुझाव।
(34) प्रदेश की मनोवैज्ञानिक सेवा---एक परिचय
(35) मनोविज्ञानशाला का एक परिचय---फोल्डर

शैक्षिक लघु शोध तथा अध्ययन---

(36) नये दस वर्षीय पाठ्यक्रम में आन्तरिक मूल्यांकन (शिक्षक संदर्शिका)
(37) विकलांगों की एकीकृत शिक्षा संकल्पना एवं क्रियान्वयन
(38) शिक्षा में नवचिन्तन
(39) खेल निरीक्षण के आधार पर बालक के व्यक्तित्व का अध्ययन
(40) टी0ए0टी0 मैनुअल (चित्र कथानक परीक्षण संदर्शिका)
(41) वैयक्तिक समस्याओं का निर्देशन।
(42) चिल्ड्रेन एपरसेप्शन परीक्षण के प्रति उत्तर प्रदेश के बालकों की अनुक्रियाओं का अध्ययन।
(43) रोशा व्यक्तित्व परीक्षण के प्रति उत्तर प्रदेश के सामान्य वयस्कों की प्रतिक्रियाओं का अध्ययन।
(44) एल0टी0 पाठ्यक्रमों की संदर्शिका।
(45) अध्यापक में वांछित गुणों का धारण-छात्रों, अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षकों की दृष्टि से
(46) शिक्षक अभिरुचि परीक्षण का निर्माण।

शैक्षिक तकनीकी---

(47) अध्यापक कस्टोडियन निर्देशिका।
(48) विद्यालयों के दृश्य-श्रव्य कोष में उपलब्ध धन एवं विद्यालय में उपलब्ध शैक्षिक तकनीकी उपकरणों की सर्वेक्षण आख्या।
(49) शैक्षिक प्रसारण के राष्ट्रीय निर्देश।
(50) मव्यय के दृश्य-श्रव्य उपकरण।

नव साक्षरों तथा ग्रामीणों के लिये साहित्य

(51) नवज्योति किसान अंक
(52) „ उद्योग अंक
(53) „ कक्षा अंक
(54) „ स्वास्थ्य रक्षा अंक
(55) „ स्वतन्त्रता दिवस अंक
(56) „ शिक्षक दिवस अंक
(57) „ प्रौढ़ शिक्षा अंक
(58) „ बालदिवस अंक
(59) हरियाली और खुशहाली
(60) सामाजिक न्याय
(61) सुखी गांव
(62) सबके लिये शिक्षा

(63) स्वास्थ्य एवं पोषण

(64) चतुरी काका की चौपाल

(65) देश प्रेम सम्बन्धी गीत एवं कविताएं

(66) उत्तर प्रदेश के लोक गीत

जनसंख्या शिक्षा

(67) जनसंख्या शिक्षा–शिक्षक संदर्शिका प्राइमरी स्तरीय

(68) जनसंख्या शिक्षा–शिक्षक संदर्शिका मिडिल स्तरीय

(69) "चेतना" (जनसंख्या शिक्षा से संबंधित त्रैमासिक पत्रिका)

(70) जनसंख्या शिक्षा मंजूषा (कम्पेनिडियम)

(71) जनसंख्या शिक्षा फोल्डर

(77) हियर बी स्टैण्ड (जनसंख्या शिक्षा एक आख्या)

(73) एस्टडी रिपोर्ट (जनसंख्या शिक्षा उपलब्धि परीक्षण पर आधारित आख्या)

(74) जनसंख्या शिक्षा सम्बन्धी माड्यूल "जनसंख्या शिक्षा नयी दिशा"।

(75) मानीटरिंग एण्ड इवैल्यूऐशन पर एक पत्रक

(76) जनसंख्या शिक्षा चार्ट परिचारिका।

(77) उपलब्धि परीक्षण 1985 (कक्षा 7 एवं 8 के लिये)।

राज्य शिक्षा संस्थान के अन्य प्रकाशन–

(78) प्रतिभा की किरण

(79) पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण क्यों और कैसे

(80) शिक्षक सुविधा–कुछ नवीन सम्बोध

(81) उत्तर प्रदेश की शिक्षा सांख्यिकी––तुलनात्मक एवं प्रगति दर्शन

(82) राष्ट्र के आदिवासी क्षेत्र के शिक्षक प्रशिक्षकों की अभिनवीकरण संबंधी संदर्शिका

राज्य विज्ञान शिक्षा के अन्य प्रकाशन––

(83) रसायन विज्ञान एवं मनोरंजन अध्ययन

(84) प्रारम्भिक स्तरीय विज्ञान पाठ्यक्रम का विस्तार एवं नवीनीकरण

(85) माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, एवं एन0सी0ई0आर0टी, नई दिल्ली के इन्टर स्तरीय गणित पाठ्यक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन।

(86) जूनियर हाई स्कूल स्तरीय जीव विज्ञान किट संदर्शिका

(87) जूनियरहाई स्कूल स्तरीय रसायन विज्ञान किट संदर्शिका

(88) साइंस एजूकेशन इन दि स्टेट आफ उत्तर प्रदेश

(89) राज्य विज्ञान प्रदर्शनी, 1987

(90) राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी विवरण पत्रिका

(91) शिक्षा का व्यवसायीकरण––एक प्रतिवेदन

(92) विज्ञानोदय पत्रिका

(93) हाई स्कूल तथा इन्टर विज्ञान प्रयोगशालाओं हेतु न्यूनतम उपकरणों एवं सामग्री की सूची

परिषद्––

(94) मासिक वृत्त पत्र-समाचार-विचार।

Sdn. National Systems Unit,
National Institute of Educational
Planning and Administration
17-B,Sri Aurbindo Marg,New Delhi-110016
DOC. No.....
Date.....

पी0एस0यू0पी0––ए0पी0 39 शिक्षा–11–2–88––(4011)––1988–1,500 (मैग0)।